भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 455

दिनांक 15.09.2020/ 24 भाद्रपद, 1942 (शक) को उत्तर के लिए

'एम्फन और निसर्ग' से हुआ नुकसान

†455. डॉ॰ अमोल राम सिंह कोल्हेः
श्री डी.एन.वी॰ सेंथिलकुमार एस.:
श्री पी.सी॰ गद्दीगौदरः
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
श्री शिशिर कुमार अधिकारीः
श्री बी॰ मणिक्कम टैगोरः
श्री कुलदीप राय शर्माः
डॉ॰ सुभाष रामराव भामरेः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के कई भागों में 'एम्फन' और 'निसर्ग' नामक तीव्र चक्रवात आए हैं;

(ख) यदि हां, तो किसानों/मछुआरों पर उक्त चक्रवात का क्या प्रभाव पड़ा है तथा उससे हुए नुकसान का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इस हेतु एनडीआरएफ और ओडीआरएएफ के कितने कर्मियों की तैनाती की गई थी तथा राज्य-वार कितने व्यक्तियों को बचाया गया है;

(घ) क्या सरकार ने नुकसान का मूल्यांकन करने के लिए केन्द्रीय दल भेजे हैं तथा यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे हैं तथा फसल नुकसान एवं क्षति के लिए किसानों को कितनी निधि के आवंटन की अनुशंसा की गई है तथा प्रभावित राज्यों द्वारा कितनी राहत राशि की मांग की गई है तथा सरकार द्वारा किसानों एवं मछुआरों को प्रदान की गई/प्रदान की जाने वाली सहायता राशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच तालमेल हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नित्यानंद राय)

(क) और (ख): जी हां। चक्रवात 'एम्फन' ने दो राज्यों नामतः ओडिशा और पश्चिम बंगाल तथा चक्रवात 'निसर्ग' ने भी दो राज्यों नामतः महाराष्ट्र और गुजरात और साथ ही एक संघ राज्य क्षेत्र नामतः दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव को प्रभावित किया। अंतर-मत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) के आकलन/प्रभावित राज्यों की सरकारों से प्राप्त ज्ञापन के अनुसार, सूचित क्षति/नुकसान के ब्यौरे निम्नानुसार है:-

(अनंतिम)

राज्य	मानव जीवन की क्षति	क्षतिग्रस्त घर/झोपड़ियां (लाख में)	पशुधन की हानि	प्रभावित फसली क्षेत्र (लाख हेक्टे. में)	मछुआरों की क्षतिग्रस्त नौकाएं और जाल
ओडिशा- चक्रवात 'एम्फन'	0	0.49	38	0.11	28 नौकाएं
पश्चिम बंगाल- चक्रवात 'एम्फन'	99	5.52	23927	5.71	8007 नौकाएं और 37711 जाल
महाराष्ट्र - चक्रवात 'निसर्ग'	15	2.48	540	0.33	1362 नौकाएं और 596 जाल

इस संबंध में अन्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किसी भी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं दी गई थी।

(ग): केंद्र सरकार ने पूर्ण लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की थी, जिसमें पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 38 टीमों की तैनाती शामिल थी, जिन्होंने 8.13 लाख व्यक्तियों को

बचाकर निकालने में उक्त राज्य की सहायता की और ओडिशा में 20 टीमों की तैनाती शामिल थी, जिन्होंने 2.37 लाख व्यक्तियों को बचाकर निकालने में उक्त राज्य की सहायता की। इसी प्रकार, चक्रवात 'निसर्ग' के मामले में, राहत और पुनर्वास कार्य में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की सहायता करने के लिए महाराष्ट्र में 20 एनडीआरएफ टीमें, गुजरात में 16 एनडीआरएफ टीमें और दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव में 2 एनडीआरएफ टीमें तैनात की गई थीं।

(घ): हाल ही के मामलों में, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों से ज्ञापन प्राप्त होने से पूर्व ही, क्षति का मौके पर आकलन करने के लिए अलग-अलग अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दलों (आईएमसीटी) ने राज्यों के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। राज्यों के प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए, केंद्र सरकार ने दिनांक 23 मई, 2020 को राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से अग्रिम राशि के रूप में पश्चिम बंगाल सरकार को 1000 करोड़ रु. और ओडिशा सरकार को 500 करोड़ रु. जारी की हैं। एनडीआरएफ के अंतर्गत वित्तीय सहायता पर विचार आईएमसीटी द्वारा किए गए आकलन के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है।

(ङ): मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) बड़ी आपदाओं के दौरान स्थिति की निगरानी और समन्वय करती है। चक्रवात 'एम्फन' और 'निसर्ग' के दौरान मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में एनसीएमसी ने प्रभावित राज्यों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों के साथ मिलकर 4 बैठकें आयोजित की और स्थिति की निगरानी एवं समन्वय किया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सभी प्रभावित राज्यों के लिए नियमित और सटीक भविष्यवाणियां एवं चेतावनी संबंधी बुलेटिन जारी किए थे।

प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावकारी प्रबंधन हेतु उपयुक्त तैयारी करने और शीघ्र कार्रवाई तंत्र विकसित करने के लिए देश में राष्ट्रीय, राज्यीय और जिला-स्तर पर सुव्यवस्थित संस्थागत तंत्र मौजूद हैं। केंद्र सरकार ने एक सशक्त पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित की है और मौसम संबंधी भविष्यवाणियों की सटीकता में काफी वृद्धि की है। प्राकृतिक आपदाओं के समय लोगों/किसानों को

शिक्षित करने के लिए नियमित तौर पर मॉक अभ्यास और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना (एनसीआरएमपी) के अंतर्गत, आठ तटीय राज्यों में चक्रवात आश्रय और पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई है, और वे चक्रवातों के दौरान बहुत लाभकारी सिद्ध हुए है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए उपायों से आपदा प्रबंधन की पद्धतियों, तैयारी, रोकथाम और कार्रवाई तंत्र में काफी सुधार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप देश में चक्रवातों सहित प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानव जीवन की हानि में काफी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना सरकार की एक सतत और विकसित होने वाली प्रक्रिया है।

******